पंचम संस्करण

अप्रैल, 2025

लक्ष्य

हडको
hudco
A NAVRATNA CPSE

हाउसिंग एण्ड अर्बन डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम)
चण्डीगढ़ क्षेत्रीय कार्यालय
प्लाट न. 2, संचार सदन, प्रथम तल, सैक्टर 34-ए, चण्डीगढ़

हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा हडको को सम्मानित किया गया

शिमला में निक्षय शिविर अभियान के शुभारंभ पर क्षय रोग (टीबी) उन्मूलन के लिए जिले को हडको द्वारा एक हस्तचालित टीबी एक्स-रे मशीन प्रदान की गई। हडको को शिमला में कोर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के अंतर्गत स्वास्थय विभाग में उत्ष्ट योगदान के लिए हिमाचल प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री द्वारा सम्मानित किया गया।

hudco
A NAVRATNA CPSE

लक्ष्य

पंचम संस्करण

अप्रैल, 2025

विषय सूची

क्रमांक संख्या	विषय	पृष्ठ संख्या
1	संदेश :–	1 – 4
	संजय कुलश्रेष्ठ, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, हडको	
	एम. नागराज, निदेशक कार्पोरेट प्लानिंग, हडको	
	दलजीत सिंह खत्री, निदेशक (वित्त)	
	विनीत गुप्ता, मुख्य सतर्कता अधिकारी, हडको	
2	संपादकीय संदेश नीरज सेठी, क्षेत्रीय प्रमुख (प्रभारी), हडको क्षेत्रीय कार्यालय चंडीगढ़	5
3	हडको एवं पीएमआईडीसी के बीच प्रशिक्षण एवं परामर्श क्षेत्र में निकट सहयोग हेतु समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर	6
4	हिन्दी परववाड़ा दिनांक 14 से 29 सितम्बर, 2024 – एक रिपोर्ट	7 – 10
5	श्री एम. नागराज, निदेशक निगमित योजना, हडको के 22 से 23 नवंबर, 2024 तक चंडीगढ़ दौरा – एक रिपोर्ट	11 – 14
	चंडीगढ़ क्षेत्रीय कार्यालय की विभिन्न गतिविधियां	
6	स्वच्छता ही सेवा अभियान	15 – 16
7	स्वच्छता ही सेवा के अंतर्गत कार्यक्रम का आयोजन	17
8	सी.एस.आर के अंतर्गत स्वच्छता एवं वाटर कूलर गतिविधियां	18 – 21
9	सी.एस.आर के अंतर्गत चंबा, हिमाचल प्रदेश में हैंडहेल्ड पोर्टेबल टीबी एक्स–रे मशीन का उद्घाटन समारोह	22 – 23
10	हडको चंडीगढ़ की सी.एस.आर. पहल: ग्रामीण हरियाणा और पंजाब का सशक्तिकरण	24 – 25
11	हडको चंडीगढ़ ने सी.एस.आर योजना के तहत अकाल अकैडमी के 2 स्कूलों में 4 बसों को वित्त पोषित	26 – 27

हडको
hudco
A NAVRATNA CPSE

लक्ष्य

पंचम संस्करण

अप्रैल, 2025

विषय सूची

क्रमांक संख्या	विषय	पृष्ठ संख्या
12	हडको द्वारा पंजाब के आकांक्षी जिलों में फर्नीचर वितरित	28 – 30
13	सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन	31 – 32
14	हडको चंडीगढ़ ने वार्षिक खेल दिवस मनाया	33 – 35
15	क्षेत्रीय कार्यालय – चंडीगढ़ द्वारा आयोजित एचएसएमआई के आईटीईसी प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत 25 सदस्यीय अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभागी टीम का चंडीगढ़ का अध्ययन दौरा	36 – 39
	लेख एवं काव्य	
16	पर्यावरण परिवर्तन एक चुनौती – रक्षा व संतुलन	40
17	पर्यावरण संरक्षण	41
18	एक देश एक चुनाव	42
19	पर्यावरण परिवर्तन एक चुनौती – प्रदूषण व जनसंख्या	43
20	हिन्दी पारंपरिक ज्ञान से कृत्रिम बुद्धिमता तक	44
21	पर्यावरण परिवर्तन एक चुनौती – पर्यावरण संतुलन	45 – 46
22	चंडीगढ़ क्षेत्रीय कार्यालय के सेवानिवृत हुए / होने वाले अधिकारी	47

संपादक मण्डल

संपादक
संजय भार्गव, क्षेत्रीय प्रमुख (पूर्व)

सह सम्पादक एवं सज्जा
हरविन्दर पाल सिंह कैन्थ, प्रबंधक (आईटी)

सह सम्पादक
कंवलजीत कौर, सहा. महाप्रबंधक (प्रशा.)
निर्मल सिंह, उप प्रबंधक (सचि. – रा.भा.) – सेवानिर्वित

hudco
A NAVRATNA CPSE

लक्ष्य

संदेश

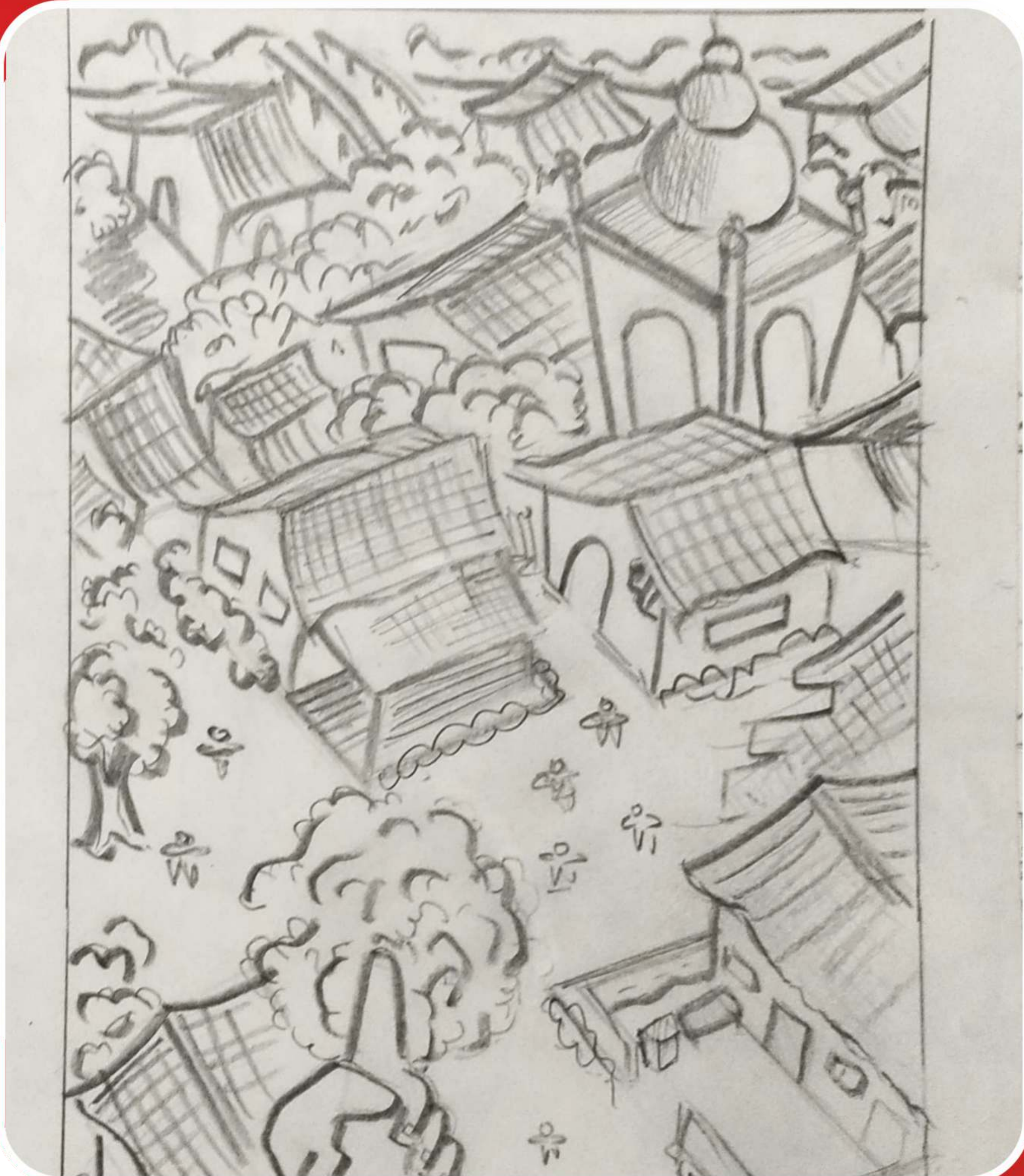

सानवी
सुपुत्री आशीष गोयल
वरि प्रबंधक - सचिव

संदेश

प्रिय साथियों,

यह अत्यन्त गौरव का विषय है कि क्षेत्रीय कार्यालय चंडीगढ़ द्वारा हिंदी गृह पत्रिका **"लक्ष्य"** के पंचम अंक का प्रकाशन किया जा रहा है । चंडीगढ़ क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा राजभाषा के प्रचार – प्रसार एवं प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने हेतु हिंदी पत्रिका का प्रकाशन किया जाना राजभाषा के उत्तरोत्तर विकास में सराहनीय प्रयास है ।

आशा करता हूं कि इस पत्रिका का प्रकाशन कार्यालय के संवैधानिक दायित्वों के निर्वाह की पूर्ति के साथ – साथ राजभाषा के प्रचार – प्रसार में भी सहयोगी सिद्ध होगा । पत्रिका में चण्डीगढ़ क्षेत्रीय कार्यालय, हडको की गतिविधियों के साथ – साथ ज्ञानवर्द्धक लेख एवं हडको की कार्य प्रणाली का समावेश पाठकों के लिए उपयोगी सिद्ध होगा । पत्रिका के पंचम अंक के सफल प्रकाशन के लिए सभी कार्मिकों को मेरी हार्दिक बधाई।

शुभकामनाओं सहित,

संजय कुलश्रेष्ठ
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

संदेश

यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि चंडीगढ क्षेत्रीय कार्यालय, हडको अपने संवैधाानिक दायित्व का निर्वाह करते हुये कार्यालय की हिन्दी गृह ई-पत्रिका **"लक्ष्य"** के पंचम अंक का प्रकाशन कर रहा है । हिंदी गृह पत्रिकाएं समकालीन विचारणीय विषयों की प्रस्तुति मात्र ही नहीं होती, वरन् भाषायी प्रगति की पूर्वपीठिका का कार्य भी करती है ।

राजभाषा के प्रति पूर्ण समपर्ण के साथ-साथ चंडीगढ क्षेत्रीय कार्यालय, राज्यों के विकास में कई वर्षो से विभिन्न योजनाओं के वित्पोषण के माध्यम से अहम् भूमिका निभाते हुये हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश व केन्द्र शासित प्रदेश चण्डीगढ़ राज्यों के विकास में भी अपना अनुपम योगदान दे रहा है । चंडीगढ क्षेत्रीय कार्यालय, के सभी कार्मिकों को इस ज्ञानवर्धाक पत्रिका के प्रकाशन के लिए हार्दिक बधााई।

शुभकामनाओं सहित

एम. नागराज
निदेशक (कॉर्पोरेट प्लानिंग)

संदेश

यह अत्यन्त हर्ष का विषय है कि चंडीगढ़ क्षेत्रीय कार्यालय, हडको द्वारा अपनी ई – पत्रिका **"लक्ष्य"** के पंचम अंक का प्रकाशन किया जा रहा है। पत्रिका के प्रकाशन से हिन्दी के प्रचार – प्रसार को पढ़ावा मिलता है। गृह पत्रिकाओं में कार्मिकों के लेख प्रकाशित करते हुए कार्यालय की समस्त गतिविधियों को सहज रूप में साझा किया गया है, यह अत्यन्त सराहनीय प्रयास है ।

गृह पत्रिका **"लक्ष्य"** का प्रकाशन किया जाना निश्चित ही समस्त कार्मिकों और पाठकों के लिए लाभकारी सिद्ध होगा । पत्रिका के सफल प्रकाशन के लिए चंडीगढ़ क्षेत्रीय कार्यालय और सम्पादक मंडल बधााई के पात्र हैं ।

दलजीत

दलजीत सिंह खतरी
निदेशक (वित्त)

संदेश

मुझे यह जानकर अत्यन्त हर्ष हो रहा है कि चंडीगढ क्षेत्रीय कार्यालय, हडको द्वारा अपनी ई – पत्रिका **"लक्ष्य"** का पंचम अंक का प्रकाशन किया जा रहा है । यह पत्रिका राजभाषा नीति अनुपालन, कार्यान्वयन और प्रचार – प्रसार की दिशा में एक सराहनीय प्रयास है ।

कार्यालयों में गृह पत्रिकाओं के प्रकाशन से लेखन में रूचि रखने वाले सभी कार्मिकों को अपनी सृजनात्मक अभिव्यक्ति का अवसर मिलता है साथ ही साहित्यिक प्रतिभाएं उभर कर सामने आती हैं। पत्रिका के सफल प्रकाशन हेतु चण्डीगढ़ क्षेत्रीय कार्यालय एवं संपादक मंडल को हार्दिक शुभकामनाएं ।

विनीत गुप्ता

विनीत गुप्ता
मुख्य सतर्कता अधिकारी

सम्पादकीय

यह हर्ष का विषय है कि हडको क्षेत्रीय कार्यालय, चंडीगढ़ की हिंदी गृह पत्रिका **"लक्ष्य"** का पंचम संस्करण प्रकाशित होने जा रहा है । हमारे कर्मचारी /अधिकारी गण विभिन्न योजनाओं एवं परियोजनाओं के लक्ष्य की प्राप्ति हेतु सक्रिय भूमिका निभाते हुये राजभाषा के विकास के लिये बहुमूल्य योगदान दे रहे हैं । राजभाषा हिंदी में कार्य करना हमारा नैतिक कर्तव्य ही नहीं बल्कि संवैधाानिक दायित्व भी है । हिंदी भाषा के प्रचार–प्रसार में भारत सरकार के उद्देश्य को सफल करने के उपरांत हमें हिंदी पत्रिका प्रकाशित करने का अवसर देने के लिए हम हडको प्रबंधन के आभारी हैं । पत्रिका के सम्पादक मण्डल, रचनाकारों, तथा प्रकाशन के जुड़े सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सफल प्रयास के लिए हार्दिक शुभकामनाएं ।

मैं चंडीगढ़ क्षेत्रीय कार्यालय के पूर्व क्षेत्रीय प्रमुख श्री संजय भार्गव जी के प्रति हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करता हूँ जिन्होंने इस पत्रिका के प्रकाशन की पहल की और इसके सम्पादक की भूमिका निभाई ।

नीरज सेठी

नीरज सेठी

क्षेत्रीय प्रमुख (प्रभारी)

हडको एवं पीएमआईडीसी के बीच प्रशिक्षण एवं परामर्श क्षेत्र में निकट सहयोग हेतु समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

दिनांक 22.11.2024 को हाउसिंग एण्ड अर्बन डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लि0 (हडको), जोकि भारत सरकार के आवासन और शहरी कार्य मंत्रलय के अंतर्गत एक नवरत्न उपक्रम है एवं पंजाब म्यूनिसिप्ल इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कम्पनी (पी.एम.आई.डी.सी) जोकि पंजाब सरकार के अंतर्गत नगर निकायों के वित्त प्रबंधान योजना क्रियान्वयन हेतु एक उपक्रम है, इन दोनों के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए । हडको की ओर से श्री एम. नागराज, निदेशक कॉर्पोरेट प्लानिंग एवं पी.एम.आई.डी.सी की ओर से श्रीमती दीप्ति उप्पल, आई.ए.एस, मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा हस्ताक्षर किये गए । समझौता ज्ञापन के अंतर्गत प्रशिक्षण एवं परामर्श क्षेत्र में भविष्य में निकट सहयोग किया जाएगा और भविष्य में पंजाब सरकार की शहरी निकायों की विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम में हडको के मानव बसाव प्रबंधान संस्थान (एच.एस.एम.आइ) द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम में निकट सहयोग से कार्यक्रम चलाये जाएंगे । हडको के परामर्श विभाग द्वारा पी. एम. आई. डी. सी. की परामर्श सेवाओं में सहयोग करने का भी प्रावधान किया गया है । इस अवसर पर हडको की ओर से श्री संजय भार्गव, क्षेत्रीय प्रमुख, श्रीमती शोभा कुमार, संयुक्त महाप्रबंधक (परि.), श्री संजीव चौपड़ा, संयुक्त महाप्रबंधक (विधि) तथा श्री आशीष गोयल, वरि0 प्रबंधक (सचि.) तथा पी. एम. आई. डी. सी. की ओर से श्री हरसतिन्दरपाल सिंह ढिल्लों, महाप्रबंधक (परि.), ड0 मनप्रीत धालीवाल, मैनेजर (कैपेसिटी बिल्डिंग) एंवड सुमीत अरोड़ा एवं संस्थागत स्ट्रेन्थनिंग विशेषज्ञ उपस्थित रहे ।

क्षेत्रीय कार्यालय चंडीगढ़
हिन्दी पखवाड़ा दिनांक 14 से 29 सितम्बर, 2024 – एक रिपोर्ट

हडको राजभाषा अनुभाग, मुख्यालय द्वारा भेजे गए परिपत्र 11.09.2024 के अनुसार इस वर्ष क्षेत्रीय प्रमुख के अनुमोदन से क्षेत्रिय कार्यालय चंडीगढ़ में 14 से 29 सितम्बर 2024 के दौरान हिन्दी पखवाड़ा मनाया गया: –

हिन्दी परववाड़ा का शुभारम्भ कार्यक्रमः17.09.2024 : –

क्षेत्रीय प्रमुख महोदय द्वारा हिन्दी पखवाड़े का शुभारंभ दिनांक 17.09.2024 को किया गया । सर्वप्रथम क्षेत्रीय प्रमुख महोदय ने हिन्दी परववाड़े को मनाये जाने संबंधाी अपने सम्बोधान में सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हिन्दी के महत्व को बताया तथा प्रोत्साहित किया कि हमें हिन्दी को अपने निजि तथा कार्यालय के कार्य में प्रयोग करना चाहिए। क्षेत्रीय प्रमुख महोदय ने कहा कि हमें पूरे वर्ष ही हिन्दी में काम करना चाहिए ताकि राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सके ।

निबंधा लेखन प्रतियोगिता – 19.09.2024

19.09.2024 को निबंधा लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गयी जिसका विषय था

1. हिन्दी पारंपरिक ज्ञान से कृत्रिम बुद्धिमता तक
2. एक देश एक चिनाव
3. पर्यावरण परिवर्तन एक चुनौती

इस प्रतियोगिता में कुल पंद्रह प्रविष्टियाँ प्राप्त हुई ।

हिंदी स्लोगन प्रतियोगिताः : – 20.09.2024

20.09.2024 को हिंदी स्लोगन प्रतियोगिता आयोजित की गयी, जिसका विषय था हिन्दी राजभाषा मातृभाषा। इस प्रतियोगिता में कुल पंद्रह प्रविष्टियाँ प्राप्त हुई ।

कार्यान्वयन समिति के बैठक व कार्यशाला : – 23.09.2024

दिनांक 23.09.2024 को हिन्दी कार्यान्वयन समिति के बैठक व कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री अरुण कुमार, सचिव, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति – 2, भारतीय सर्वेक्षण विभाग का स्वागत क्षेत्रीय प्रमुख महोदय द्वारा किया गया। श्री अरुण कुमार, सचिव, नराकास – 2 द्वारा कहा गया कि हिन्दी भाषा जोड़ने की भाषा है । हमें हिन्दी में तो कार्य करना ही है साथ में राजभाषा अधिनियम 3(3) के अंतर्गत जो कार्य सौंपे गए हैं उनका भी अनुपालन करना है । क्षेत्रीय प्रमुख महोदय ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हिन्दी में अधिक से अधिक कार्य करने के लिये प्रेरित किया ।

हिंदी शब्द ज्ञान प्रतियोगिता 24.09.2024 को :

24.09.2024 को हिंदी ज्ञान प्रतियोगिता आयोजित की गयी, जिसमें अंग्रेजी से हिन्दी अनुवाद व हिन्दी से अंग्रेजी अनुवाद करवाया गया जिसमें कुल ग्यारह प्रविष्टियाँ प्राप्त हुई ।

नराकास – 2 की छमाही बैठक का दिनांक 25.09.2024 को आयोजन :

नराकास – 2 की छमाही बैठक भारतीय सर्वेक्षण विभाग की अध्यक्षता में 55 कार्यालयों ने भाग लिया । हडको द्वारा नराकास कार्यालय के लिए आलेख प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी । उस बैठक में हडको क्षेत्रीय कार्यालय चंडीगढ़ से श्री संजय भार्गव, क्षेत्रीय प्रमुख, श्रीमती कंवलजीत कौर, हिन्दी नोडल अधिकारी व श्री हरविन्दर पाल सिंह, हिन्दी नोडल सहायक ने भाग लिया ।

लक्ष्य पत्रिका – चतुर्थ संस्करण का विमोचन

मुख्यालय में दिनांक 26.09.2024 को चंडीगढ़ क्षेत्रीय कार्यालय की लक्ष्य पत्रिका– चतुर्थ संस्करण का विमोचन किया गया।

हिन्दी परखवाड़ा का 27.09.2024 को समापन : –

दिनांक 27.09.2024 को हिन्दी परखवाड़ा के समापन समारोह पर मुख्य अतिथि डॉ पंकज अनुज, महा निदेशक (राजभाषा), पी जी आई, चंडीगढ़ का स्वागत क्षेत्रीय प्रमुख महोदय द्वारा किया गया। इस अवसर पर सफल प्रतियोगिताओं को पुरस्कार घोषित किए गए। इस दौरान कार्यालय में अधिकारियों तथा कर्मचारियों को हिन्दी मे अधिक से अधिक कार्य करने के लिये बधाई दी तथा आगे भी हिन्दी में कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया गया ।

श्रीएम. नागराज, निदेशक निगमित योजना, हडको के 22 से 23 नवंबर, 2024 तक चंडीगढ़ दौरा – एक रिपोर्ट

22.11.2024

निदेशक निगमित योजना, हडको ने पीएम आईडीसी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने और पंजाब और हरियाणा राज्य सरकार क वरिष्ठ अधिकारी और माननीय वित्तमंत्री, पंजाब सरकार के साथ विभिन्न बैठकों के लिए 22 नवंबर, 2024 से 23 नवंबर, 2024 तक चंडीगढ़ का दौरा किया।

1. **पीएम आईडीसी के साथ हडको के समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर**

प्रशिक्षण और परामर्श सेवाओं के क्षेत्र में सहयोग के लिए हडको और पीएम आईडीसी के बीच 22.11.2024 को समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। समझौता ज्ञापन पर हडको की ओर से श्रीएम. नागराज, निदेशक निगमित योजना और पी.एम. आई.डी.सी की ओर से श्रीमती दीप्ति उप्पल, आईएएस, मुख्यकार्यकारी अधिकारी द्वारा हस्ताक्षर किए गए। चर्चा के दौरान यह संकेत दिया गया कि फरवरी, 2024 में पंजाब के विभिन्न यूएलबी आयुक्तों के लिए अस्थायी रूप से एचएसएमआई, नई दिल्ली में एक प्रशिक्षण कार्यक्रम निर्धारित किया जा सकता है। इसके अलावा, भूमि अधिग्रहण के तहत नए प्रस्तावों के वित्तपोषण पर भी चर्चा की गई, जिसमें पीएम आईडीसी ने इसके लिए तत्काल आवश्यकता का संकेत दिया ।

2. **श्री विवेक जोशी, आईएएस, मुख्यसचिव, हरियाणा सरकार के साथ बैठक**

श्री विवेक जोशी, आईएएस, मुख्यसचिव, हरियाणा सरकार के साथ हरियाणा सिविल सचिवालय, चंडीगढ में उनके कार्यालय में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में, मुख्य सचिव कोगन्नौर, सोनीपत में भारत अंतर्राष्ट्रीय बागवानी बाजार (आईआईएचएम) में वित्त पोषण के संबंध में अवगत कराया गया, जिसमें यह संकेत दिया गया था कि हडको ने पहले ही परियोजना के लिए ब्याज की प्रतिस्पर्धीदर और ऋण की शर्तो का संकेत दिया है और हरियाणा सरकार से शीघ्र निर्णय लेने का अनुरोध किया है। बैठक के दौरान मुख्य सचिव को हरियाणा विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड और दक्षिण हरियाणा विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड को हाल ही में 6000 करोड रुपये के ऋण की मंजूरी के बारे में भी अवगत कराया गया। इसके अलावा निदेशक निगमित योजना ने हरियाणा राज्य में विभिन्न आवास और शहरी बुनिया दी ढांचा परियोजनाओ का समर्थन देने के लिए हडको की प्रतिबद्धता से अवगत कराया।

3. ड .चंद्रशेखर खरे, आईएएस, मुख्य प्रशासक, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) और एमडी, हरियाणा मास रैपिड ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन (एचएमआरटीसी) और गुरुग्राम मेट्रोरेल लिमिटेड, हरियाणा के साथ बैठक की।

एचएस वीपी के मुख्य प्रशासक डॉ. चंद्रशेखर खरे के साथ उनके कार्यालय में बैठक हुई। बैठक के दौरान, मुख्य प्रशासक ने संकेत दिया कि उन्हें गुरु ग्राम मेट्रोरेल लिमिटेड के लिए धन की आवश्यकता है। इसके अतिरिक्त, सेक्टर 25 में हडको भूखण्ड के प्रस्तावित विकास के संबंध में मुख्य प्रशासक को अवगत कराया गया और हडको ओटीएस के अंतर्गत हडको की देय राशि का भुगतान कर रहा है।

4. श्री अनुराग रस्तोगी, आईएएस, अतिरिक्त मुख्यसचिव (वित्त), हरियाणा सरकार के साथ बैठक

श्री अनुराग रस्तोगी, आईएएस, अतिरिक्त मुख्यसचिव (वित्त), हरियाणा सरकार के साथ हरियाणा सिविल सचिवालय, चंडीगढ़ में उनके कार्यालय में एक बैठक आयोजित की गई । बैठक के दौरान, गन्नौर, सोनीपत में भारत अंतर्राष्ट्रीय बागवानी बाजार (आईआईएचएम) में वित्तपोषण के संबंधा में अतिरिक्त मुख्यसचिव (वित्त) को अवगत कराया गया, जिसमें यह बताया गया कि हडको ने पहले ही परियोजना के लिए व्याज की प्रतिस्पर्धी दर और ऋण की शर्तो का संकेत दिया है और हरियाणा सरकार से शीघ्र निर्णय लेने का अनुरोध किया है। बैठक के दौरान, यह संकेत दिया गया था कि हडके पलवल सोनीपत समर्पित फेटक रिडोर के लिए भूमि अधिग्रहण परियोजनाओं सहित हरियाणा अर्बिटल रेल कॉरिडोर (एचओआरसी) को फंड दे सकता है, जिसमें यह संकेत दिया गया था कि हडको प्रतिस्पर्धी ब्याजदर और शर्तो की पेशकश करने में सक्षम होगा

5. पंजाब सरकार के माननीय वित्तमंत्री सरदार हरपाल सिंह चीमा के साथ बैठक

पंजाब सिविल सचिवालय, चंडीगढ़ में पंजाब सरकार के माननीय वित्तमंत्री सरदार हरपाल सिंह चीमा के साथ उनके कार्यालय में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान पंजाब पुलिस हाउसिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड और पीएम आईडीसी को हडको फंडिंग के संबंध में संकेत दिए गए। माननीय मंत्री द्वारा यह संकेत दिया गया था कि आवास और जल आपूर्ति परियोजनाओं के लिए धन की आवश्यकता होगी। इसके अलावा, हडको ने संकेत दिया कि हडको भारत सरकार के

कार्यक्रमों के तहत अपने हिस्से के लिए राज्य को व्यवहार्यता अंतरवित्त पोषण के लिए प्रतिस्पर्धीदरों पर धन प्रदान कर सकता है। इसके अतिरिक्त, माननीय मंत्री जी ने बताया कि हडको आवासीय परियोजनाओं के लिए हडको परामर्श के संबंध में प्रस्तुतीकरण देना चाहेगा ।

6. श्री तेजवीर सिंह, आईएएस, अतिरिक्त मुख्यसचिव (स्थानीय सरकार और उद्योग), पंजाब सरकार के साथ बैठक

पंजाब सरकार के अतिरिक्त मुख्यसचिव सीानीय सरकार और उद्योग) श्री तेजवीर सिंह के साथ उनके कार्यालय में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान, एसीएस ने लगभग 10 एकड़ की गमाडा भूमि पर हवाई अडड् के पास एसएएस नगर, मोहाली में इंडिया हैबिटेट सेंटर की तर्ज पर कन्वेंशन सेंटर विकसित करने के लिए संयुक्त उद्यम की संभावना का संकेत दिया। इसके अलावा, यह संकेत दिया गया कि आज प्रशिक्षण और परामर्श सहयोग के लिए हडको और पीएम आईडीसी के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इसके अतिरिक्त, अतिरिक्त मुख्य सेवा को भूमि अधिग्रहण सहित विभिन्न औद्योगिक टाउनशिप परियोजनाओं के लिए हडको के वित्तपोषण के बारे में अवगत कराया गया था ।

7. पंजाब सरकार के माननीय मुख्यमंत्री के विशेष मुख्य सचिव विजय कुमार सिंह, आईएएस, के साथ बैठक।

श्री विजय कुमार सिंह, आईएएस, माननीय मुख्य मंत्री के विशेष मुख्य सचिव, पंजाब सरकार के साथ पंजाब सिविल सचिवालय, चंडीगढ़ में उनके कार्यालय में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान, पीएम आईडीसी और पंजाब पुलिस हाउसिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड को हडको फंडिंग के बारे में संकेत दिया गया था, जिसमें शीघ्र दस्तावेज और संवितरण के लिए अनुरोध किया गया था। इसके अलावा, विशेष मुख्य सचिव ने अनुरोध किया कि पंजाब में विभिन्न विरासत शहर है और संकेत दिया कि सैनिक स्कूल, कपूरथला को हडको सी एसआर के तहत लिया जा सकता है। बैठक के दौरान गमाडा की लगभग 10 एकड़ भूमि पर हवाई अडड् के पास एसएएसनगर, मोहाली में कन्वेंशन सेंटर विकसित करने के लिए संयुक्त उद्यम की संभावना पर भी चर्चा की गई ।

23.11.2024

निदेशक, कॉर्पोरेट प्लानिंग द्वारा चंडीगढ़ क्षेत्रीय कार्यालय का दौरा

श्रीएम. नागराज, निदेशक, कॉर्पोरेट प्लानिंग ने हडको चंडीगढ़ का अधिकारिक दौरा किया और टीम द्वारा हार्दिक स्वागत किया गया। श्री नागराज ने क्षेत्रीय कार्यालय के संचालन की समीक्षा की और अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ इंटरैक्टिव सत्र में शामिल हुए।

हडको
hudco
A NAVRATNA CPSE

लक्ष्य

चंडीगढ़ क्षेत्रीय कार्यालय की विभिन्न गतिविधियों

श्रीमती कंवलजीत कौर
सहा. महाप्रबंधक (प्रशा)

लक्ष्य

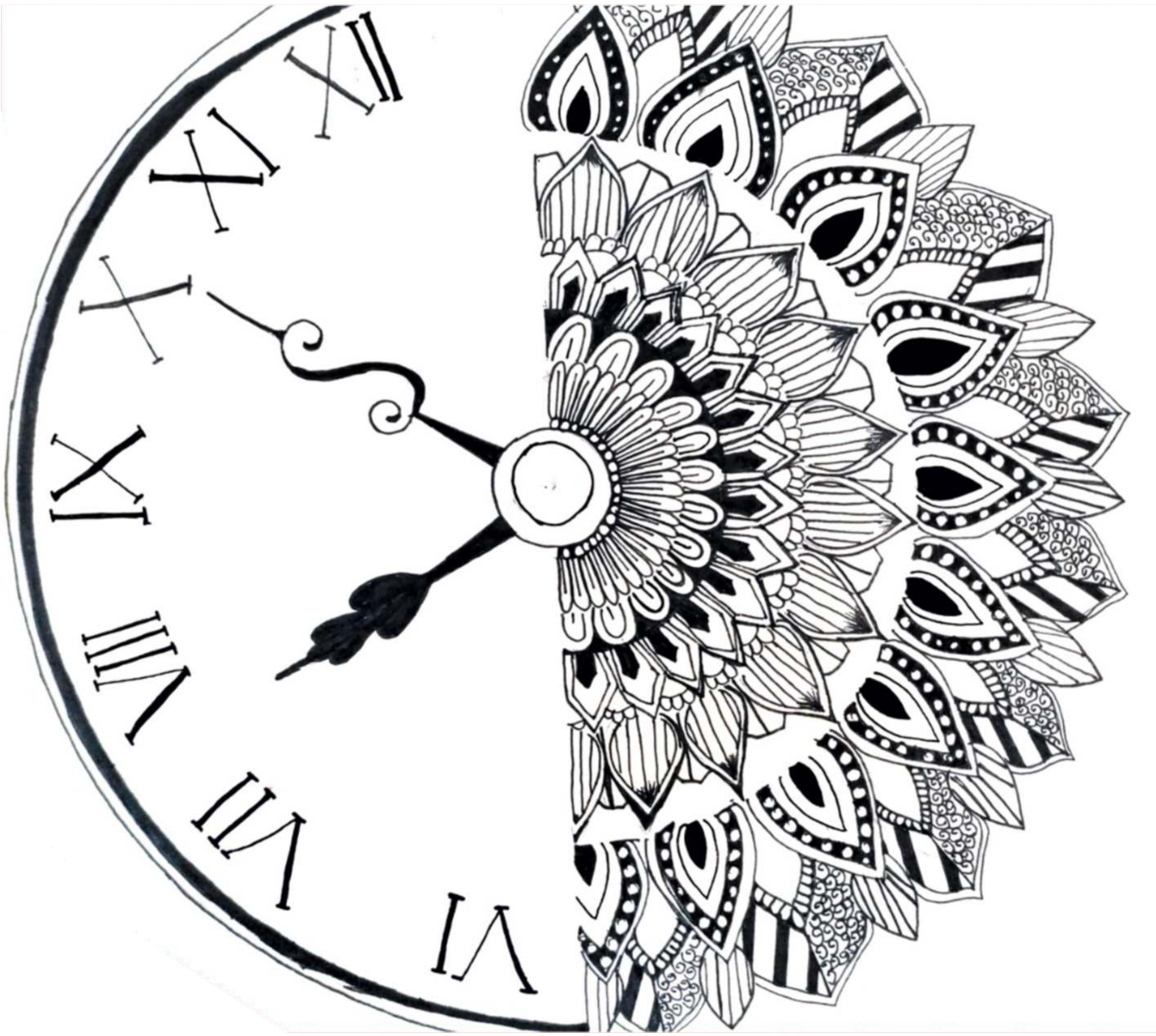

प्रभनूर कौर
सुपुत्री मनमीत कौर
उप प्रबंधक – लेखा

स्वच्छता ही सेवा अभियान

हडको क्षेत्रीय कार्यालय चण्डीगढ़ द्वारा दिनांक 25 सितम्बर, 2024 को स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत कार्यालय परिसर के समीप सैक्टर 34 ए, व्यवसायिक केन्द्र में चिन्हित स्थान पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। जिसमें सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा प्रतिभागिता की गई। इस दौरान एक टन कूड़ा निष्तारित किया गया।

स्वच्छता ही सेवा के अंतर्गत कार्यक्रम का आयोजन

हडको क्षेत्रीय कार्यालय चण्डीगढ़ द्वारा स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत पंजाब सरकार द्वारा संचालित स्कूल आफएमिनेन्स, फेस –11, एस.ए.एस. नगर, मोहाली में कक्षा छठी एवं सांतवी के छात्राओं को स्वच्छता के प्रति जागरूकता जगाने हेतु चित्र कला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । इसमें स्कूल के 50 छात्राओं ने भाग लिया । इस प्रतियोगिता आरम्भ करने से पूर्व बच्चों ने स्वच्छता की शपथ ली । इस प्रतियोगिता में कक्षा छठी की सुमन को प्रथम पुरस्कार व दीपिका को द्वितीय पुरस्कार व कक्षा सातवीं की छात्रा मोहिनी को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया इसके अतिरिक्त अदिति कक्षा छठी व अंशिका कक्षा सातवीं को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। इस प्रतियोगिता में छात्राओं द्वारा स्वच्छता जागरूकता पर चित्र बनाए ।

सी एस आर के अंतर्गत स्वच्छता एवं वाटर कूलर गतिविधियां

मुख्यालय के आदेशानुसार चण्डीगढ़ के अंतर्गत कुल स्वीकृत 10.00 लाख रूपये की राशि में तीन स्तरीय शुद्ध पेयजल उपकरण लगाने की स्वीकृति प्रदान की गई थी। क्षेत्रीय कार्यालय चण्डीगढ़ के अंतर्गत 3 राज्य एवं केन्द्र शासित प्रदेश के उपायुक्त चण्डीगढ़, पंचकूला, मोहाली, सोलन एवं लुधियाना से चिन्हित स्कूलों /अस्पतालों के प्रस्ताव मांगे गए थे। जिसमें उपायुक्त एसएएस नगर मोहाली से 2 स्कूल एवं 1 अस्पताल, उपायुक्त लुधियाना से 1 स्कूल तथा 1 अस्पताल, उपायुक्त चण्डीगढ़ से 2 स्कूल तथा उपायुक्त सोलन से 3 स्कूल तथा 1 अस्पताल चिन्हित कर सूची भेजी गई थी। क्षेत्रीय कार्यालय चण्डीगढ़ के अंतर्गत पंजाब के एसएएस नगर मोहाली एवं लुधियाना तथा हिमाचल प्रदेश के जिला सोलन के निम्न स्थानों पर उपायुक्तों के निर्देशों अनुसार 11 कूलर स्थापित किए गए है: –

राज्य	स्कूल/अस्पताल का नाम	स्थापित कूलरों की संख्या
केन्द्र शासित प्रदेश चण्डीगढ़(2)	(1) गर्वनमेंट माडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सैक्टर– 19 सी, चण्डीगढ़	1
	(2) गर्वनमेंट माडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सैक्टर– 22, चण्डीगढ़	1
पंजाब(5)	(1) सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्मार्ट स्कूल, लोहगढ़, एस ए एस नगर, मोहाली	1
	(2) सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सहोड़ां, एस ए एस नगर	1
	(3) प्राइमरी हैल्थ सैंटर, ळींतनंद	1
	(4) सरकारी हाई स्कूल हैबोवाल कलां (लुधियाना)	1
	(5) सब डिवीजनल अस्पताल, साहनेवाल, लुधियाना	1
हिमाचल प्रदेश(4)	रिजनल अस्पताल, सोलन (हि0प्र0)	1
	गर्वनमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल, कुठार जिला सोलन, हि0 प्र0	1
	गर्वनमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल, नंवगांव, तहसील अर्की, जिला सोलन, हि0 प्र0	1
	गर्वनमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल, नवांग्राम, तहसील नालागढ़, जिला सोलन, हि0 प्र0	1

कुल 11 शद्ध पेयजल कूलरों की स्थापना हो चुके हैं। 3 स्तरीय वाटर फिल्टर युक्त शुद्ध शीतल पेयजल उपकरण लग जाने से अलग–अलग स्कूलों के लगभग 5000 छात्र छात्राएं तथा अस्पतालों के लगभग 3000 से अधिक मरीजों एवं आगंतुक लाभान्वित होंगे।

सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सैक्टर –19 सी चण्डीगढ़

सरकारी माडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सैक्टर–22, चण्डीगढ़

सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सहोड़ां, एस ए एस नगर

सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्मार्ट स्कूल, लोहगढ़, एस.ए.एस. नगर, मोहाली

सरकारी हाई स्कूल हैबोवाल कलां (लुधियाना)

कम्यूनिटी हैल्थ सैंटर साहनेवाल, लुधियाना (पंजाब)

गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल, नवांग्राम, नालागढ., जिला सोलन

सीएसआर के अंतर्गत चंबा, हिमाचल प्रदेश में हैंडहेल्ड पोर्टेबल टीबी एक्स-रे मशीन का उद्घाटन समारोह

जो कि एक सामाजिक जिम्मेदारी कार्यक्रम है के अंतर्गत क्षेत्र में टीबी उन्मूलन अभियान को बढ़ावा देने के लिए दिनांक 06.12.2024 को हिमाचल प्रदेश के आकांक्षी जिले चंबा में 23.50 लाख रुपये की लागत से एक हैंडहेल्ड पोर्टेबल टीबी एक्स-रे मशीन की शुरुआत की गई । यह स्थानीय स्तर पर तकनीकी प्रशिक्षण और मोबाइल और सुरक्षित जांच सुविधाओं के साथ-साथ ग्रामीण स्तर पर सटीक और तेज टीबी निदान प्रदान करेगा।

हैंडहेल्ड पोर्टेबल टीबी एक्सरे मशीन के शुभारंभ के अवसर पर हडको की और से श्री राजीव शर्मा, कार्यकारी निदेशक (सीएसआर) द्वारा श्री मुकेश रेपसवाल, उपायुक्त चम्बा, हिमाचल प्रदेश की प्रतिष्ठित उपस्थिति में मशीन का उद्घाटन किया गया । इस अवसर पर हडको मुख्यालय के श्री अजय अरोड़ा, सहायक महाप्रबंधक, हडको चंडीगढ़ के श्री आशीष गोयल, वरिष्ठ प्रबंधक, स्वास्थ्य विभाग, चंबा के जिला चिकित्सा अधिकारी डॉ. जे.एस. भारद्वाज और जिला कार्यक्रम अधिकारी डॉ. हरित पुरी भी उपस्थित थे। इस अवसर पर श्री राजीव शर्मा ने बताया कि इसके अतिरिक्त हडको द्वारा आकांक्षी जिला चम्बा के मेडिकल कॉलेज में चिकित्सा उपकरण एवं फर्नीचर के लिए 1 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की है।

सीएसआर पहल के लिए हडको का सम्मान

हडको के इन प्रयासों को हिमाचल प्रदेश सरकार के स्वास्थ्य विभाग द्वारा मान्यता दी गई है, जिसने 07 दिसंबर, 2024 को शिमला में स्वास्थ्य सेवा में योगदान के लिए संगठन को सम्मानित किया। हिमाचल प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री द्वारा शिमला में कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) के तहत स्वास्थ्य विभाग में उत्कृष्ट योगदान के लिए हडको को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

चंबा, हिमाचल प्रदेश में उद्घाटन समारोह की तस्वीरें

हडको
hudco
A NAVRATNA CPSE
हडको द्वारा
सीएसआर सहायता
CSR
Assistance
by HUDCO

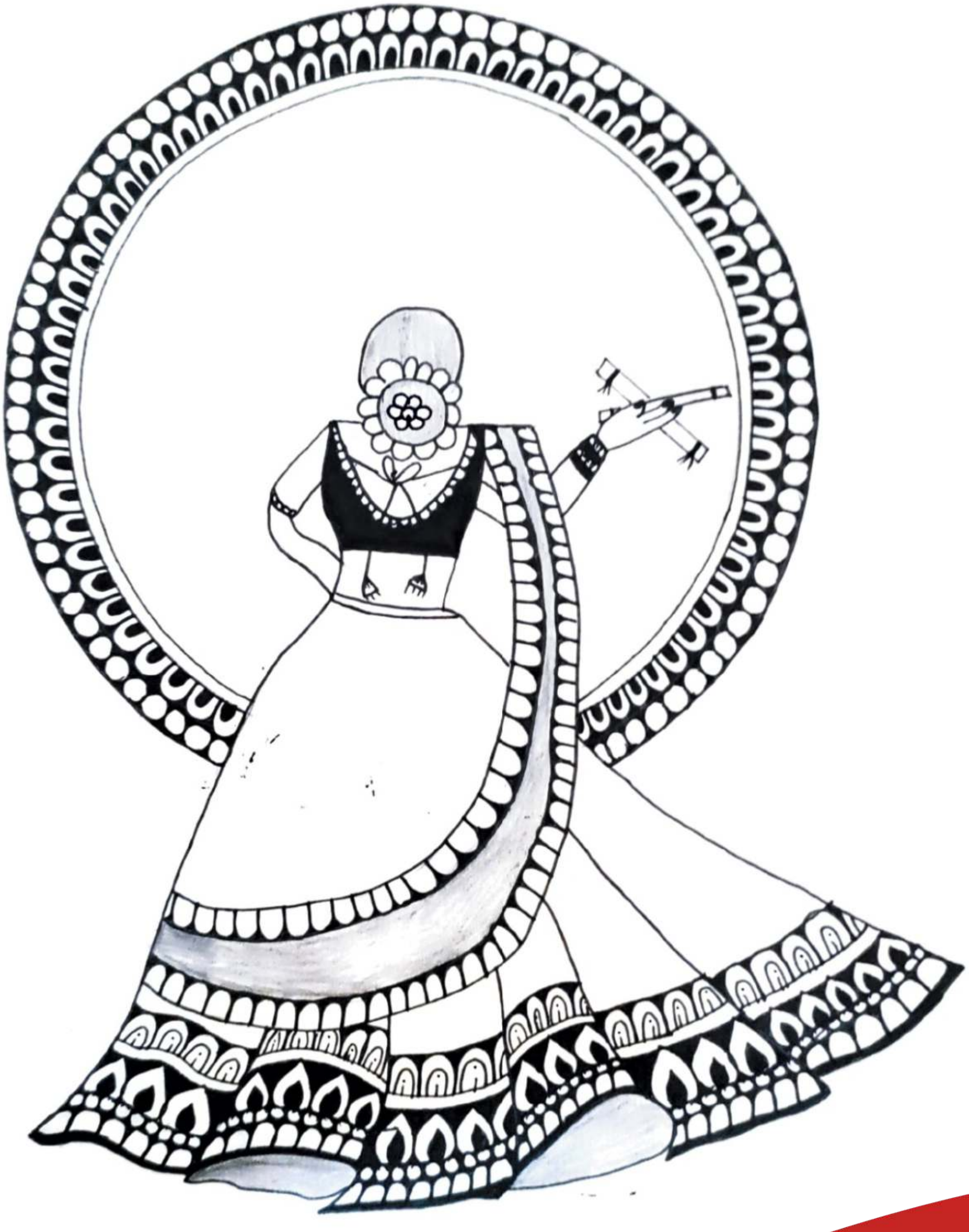

प्रभनूर कौर
सुपुत्री मनमीत कौर
उप प्रबंधक - लेखा

हडको चंडीगढ़ की सी.एस.आर. पहलः ग्रामीण हरियाणा और पंजाब का सशक्तिकरण

एस.एन. सूबेदार सरदारा सिंह विद्यालय काकौत (कैथल, हरियाणा)

हडको ने हरियाणा के कैथल जिले के काकौत के ग्रामीण क्षेत्र में लाइब्रेरी फर्नीचर के लिए 40 कुर्सियों और 4 टेबल के साथ 5 जिम उपकरण दान किए। इस योगदान का उद्देश्य स्थानीय समुदाय के बीच शारीरिक फिटनेस, शिक्षा और समग्र कल्याण को बढ़ावा देना है।

छात्र नई सुविधाओं से बहुत खुश हैं और इससे मिलने वाले लाभों की सराहना करते हैं। स्वास्थ्य उपकरण शारीरिक फिटनेस और तंदुरुस्ती को बढ़ावा देंगे, जबकि लाइब्रेरी का फर्नीचर आरामदायक और अनुकूल शिक्षण वातावरण प्रदान करेगा। कैथल के काकौत जैसे सरकारी स्कूलों को अक्सर संसाधानों की कमी का सामना करना पड़ता है, और ऐसी पहल प्रदान की जाने वाली शिक्षा की गुणवत्ता में महत्वपूर्ण अंतर ला सकती है। हडको के सी.एस.आर. प्रयास ग्रामीण भारत में लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डालने के लिए इसकी प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

बेम्बूस्कूल, मस्सिंगन और धबलान, जिला पटियाला, पंजाब

कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सी.एस.आर.) सहायता के तहत हडको ने पंजाब के पटियाला जिले के धबलान और मस्सिंगन में बेम्बूस्कूलों में आवश्यक शैक्षिक सामग्री उपलब्ध कराई। इस पहल का उद्देश्य ईट भटठा श्रमिकों के वंचित बच्चों की सहायता करना था, जो अक्सर बुनियादी शिक्षा और आवश्यकताओं तक पहुँचने के लिए संघर्ष करते हैं।

बेम्बू स्कूल एक अनूठी अवधारणा है जिसकी स्थापना जिला प्रशासन पटियाला के तहत जिला शिक्षा विभाग द्वारा चरम स्थितियों में काम करने वाले मजदूरों के बच्चों को मुफ्त शिक्षा प्रदान करने के लिए की गई है। पर्यावरण के अनुकूल बेम्बू संरचनाओं का उपयोग करके निर्मित ये स्कूल एक सुरक्षित और आरामदायक सीखने का माहौल प्रदान करते हैं, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि बच्चों को श्रम करने के लिए मजबूर होने के बजाय गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले।

हडको सी एस आर की मदद से इन बच्चों के सीखने के अनुभव को बेहतर बनाकर और उन्हें अपनी शिक्षा जारी रखने के लिए प्रेरित करके महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करेगा। ईट भटठों में काम करने वाले परिवारों के लिए, अक्सर शिक्षा की तुलना में जीवनयापन को प्राथमिकता दी जाती है। ये स्कूल बच्चों को ज्ञान से सशक्त बनाकर गरीबी के चक्र को तोड़ते हैं, जिससे उन्हें बेहतर भविष्य का सपना देखने में मदद मिलती है।

हडको चंडीगढ़ ने सीएसआर योजना के तहत अकाल अकैडमी के 2 स्कूलों में 4 बसों को वित्तपोषित किया .

कलगीधर सोसाइटी, 1956 में संत अतर सिंह जी द्वारा स्थापित के गैर – लाभकारी संगठन, ग्रामीण क्षेत्रें में नशीली दवाओं और शराब के दुरुपयोग से निपटने के लिए गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा प्रदान करता है। कलगीधर ट्रस्ट के तहत, सोसाइटी 130 कम लागत वाले सीबीएसई स्कूलों का संचालन करती है, जो पूरे उत्तरी भारत में 70,000 छात्रों को मूल्य – आधारित शिक्षा प्रदान करती है।

हडको ने अपनी सीएसआर पहल के तहत हरियाणा और पंजाब में अकाल अकादमी के दो स्कूलों के लिए 31 सीटों वाली चार स्कूल बसों का वित्तपोषण किया। प्रत्येक स्कूल को दो बसें मिलीं। ये स्कूल हाशिए के समुदायों, विशेष रूप से ईडब्ल्यूएस और एलआईजी पृष्ठ भूमि की सेवा करते हैं।

हडको लोगो से प्रदर्शित बसें कार्यरत हैं और एक कार्यात्मक एफएपीएस प्रणाली से सुसज्जित हैं। स्कूल के प्रिंसिपल ने छात्रें की पढ़ाई पर सकारात्मक प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए हडको के समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया।

अकाल अकैडमी, डकरा साहिब (जिला पंचकुला, हरियाणा)

अकाल अकैडमी, चुन्नी क्लां (पंजाब)

हडको ने पंजाब के आकांक्षी जिलों में फर्नीचर वितरित किया

हडको ने अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) पहले के अंतर्गत निम्नलिखित जिलों में सरकारी प्राथमिक विद्यालयों और वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों को आवश्यक फर्नीचर वितरित किए हैं।

* आकांक्षी जिला फिरोजपुर के सीमावर्ती क्षेत्र (340 dual desks)
* मोगा का आकांक्षी जिला (25 chairs, 26 tables, 52 fans)
* होशियारपुर जिला (15 chairs, 3 tables, 4 fans, 10 desks, 8 LED lights)

सभी स्कूल ग्रामीण क्षेत्रें में स्थित हैं। निम्नलिखित लाभार्थी स्कूलों को 19.71 लाख रुपये के महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे का उन्नयन प्राप्त हुआ, जिनमें शामिल हैं:

क्रम सं	स्कूल का नाम	बुनियादी ढांचा प्रदान किया गया
	बर्डर एरिया आकांक्षी जिले फिरोजपुर में स्कूल	**For classrooms (340 Dual desks)**
1	GSSS Girls, Talwandi Bhai	100 Dual Desks
2	GHS Jhok Tehal Singh	150 Dual desks
3	GSSS Girls, Mamdot	40 Dual desks
4	Govt- SSS Jeevan Mall, Zira	50 Dual desks
	आकांक्षी जिले मोगा में स्कूल	**For classrooms (40 chairs)**
1	GPS Lande	5 tables and 5 chairs
2	GPS Kishan Pura Kalan	6 fans
3	GPS Mehna	3 tables and 2 ceiling fans
4	GPS Buttar Kalan	5 tables] 10 chairs and 5 ceiling fans
5	GPS Shirik	3 tables and 5 ceiling fans
6	GPS Dala	2 tables and 10 ceiling fans
7	GPS DhulkotRanseehn	6 tables] 6 chairs and 12 ceiling fans
8	GPS Bandhni Kalan	2 tables] 4 chairs and 2 ceiling fans
9	GPS Patto Hira Singh	10 ceiling fans
	होशियारपुर जिले में स्कूल.	
1	GPS Mehdood	4 fans (1200m) 3 teacher table, 10 children benches, 15 teacher visitor chairs and 8 tube lights

उपयुक्त जिलों में स्थित इन शैक्षणिक संस्थानों को अपने छात्रों के लिए अधिक अनुकूल और सहायक सीखने का माहौल प्रदान करने का अधिकार दिया गया है। हडको के सीएसआर प्रयास का उद्देश्य समावेशी विकास को बढ़ावा देना, शैक्षिक परिणामों को बढ़ाना और इन महत्वाकांक्षी जिलों के विकास में सार्थक योगदान देना है।

जिला शिक्षा अधिकारी/नोडल अधिकारी और स्कूल अधिकारियों ने सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के लिए हडको के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया है और यह स्वीकार किया है कि इन पहलों ने छात्रों के लिए अधिक अनुकूल और सहायक शिक्षण वातावरण तैयार किया है।

आकांक्षी जिला फिरोजपुर के गवर्नमेंट स्कूल

Govt High School, JhokTehal Singh

GSSS Girls School, Talwandi Bhai

मोगा का आकांक्षी जिले में गवर्नमेंट स्कूल

Govt Primary School Dalla

Govt Primary School, Buttar Kalan

GSSS Girls School, Talwandi Bhai

GSSS Girls School, Talwandi Bhai

होशियारपुर जिले में स्कूल

Before

After Desks and Benches

सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन

केन्द्रीय सतर्कता आयोग के तत्वावधान में हडको क्षेत्रीय कार्यालय चण्डीगढ़ में दिनांक 28 अक्तूबर से 03 नवम्बर, 2024 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया । इस वर्ष की थीम **"सत्यनिष्ठा की संस्कृति से राष्ट्र की समृद्धि)"** के लिए सावर्जनिक जीवन में अखंडता के महत्व को रेखांकित करती है ।

इस दौरान 28.10.2024 को कार्यालय में सबसे पहले प्रधान मंत्री उप-राष्ट्रपति तथा मुख्य सतर्कता आयुक्त के संदेश पढ़कर सुनाये गये इसके बाद सभी अधिकारियों एंव कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा दिलवाई गई । निर्देशानुसार कार्यालय एवं निम्नलिखित स्कूल में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन करवाया गया विवरण इस प्रकार है: -

1. दिनांक 28.10.2024 को क्षेत्रीय कार्यालय चण्डीगढ में भी अधिकारियों एंव कर्मचारियों के लिये निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें श्रीमती मनमीत कौर, उप प्रबंधक (वित्त) ने प्रथम पुरस्कार, श्री अब्बल चन्द, एमटीएस ने द्वितीय पुरस्कार, श्री आशीष गोयल, व0 प्रबंधक (सचि.) ने तृतीय पुरस्कार तथा श्री हरविन्दर पाल सिंह, प्रबंधक (आईटी) व कु0 मानसी, एम टी ने संयुक्त रूप से चतुर्थ पुरस्कार प्राप्त किया।
2. दिनांक 29.10.2024 को गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल, एस.ए.एस. नगर मोहाली में कक्षा नौवीं तथा दसवीं के छात्र/छात्राओं के लिए निबन्ध प्रतियोगिता करवाई गई जिसमें कुल 40 छात्र/छात्राओं द्वारा भाग लिया तथा प्रकाश कुमार, कक्षा दसवीं सी के छात्र ने प्रथम पुस्कार, कु. सिमरन, कक्षा दसवीं सी ने द्वितीय पुस्कार, नरेश, कक्षा नौवीं डी ने तृतीय पुस्कार, स्नेहा, कक्षा नौवीं ए ने चतुर्थ तथा अंजलि ने चतुर्थ पुरस्कार प्राप्त किया।
3. दिनांक 29.10.2024 को गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल, एस ए एस नगर मोहाली के अध्यापकों के लिए स्लोगन प्रतियोगिता करवाई गई जिसमें 16 अध्यापक व अध्यापिकाओं द्वारा भाग लिया तथा मैडम गगनदीप कौर ने प्रथम, मैडम रजनी भाटिया व पूजा ने द्वितीय पुरस्कार, हरमीत कौर सिद्धू व सविता ने तृतीय पुरस्कार तथा अमरजीत कौर, शशीकान्ता व रितू सोनी ने चतुर्थ पुरस्कार प्राप्त किया ।

   दिनांक 30.10.2024 को सतर्कता जागरूकता सप्ताह के समापन समारोह के अवसर पर Vigilance विषय पर क्षेत्रिय प्रमुख द्वारा कार्यालय के स्टाफ सदस्यों के साथ विस्तृत चर्चा की गई एंव सफल प्रतिभागियों को क्षेत्रिय प्रमुख महोदय द्वारा पुरस्कार वितरित किये गये । उपरोक्त कार्यक्रमों के दौरान लिये गये कुछ फोटोग्राफस भी इसके साथ सलंग्न किये जा रहे हैं ।

हडको चंडीगढ़ ने वार्षिक खेल दिवस मनाया

हडको चंडीगढ़ ने 2 मार्च, 2025 को अपना वार्षिक खेल दिवस आयोजित किया, जिसका उद्देश्य आपसी भाईचारा, टीम भावना और खुशहाल तथा स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना है।

कार्यक्रम की शुरुआत कार्यालय परिसर में कैरम और बैडमिंटन मैचों से हुई, जिसमें सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने उत्साह और टीम भावना के साथ भाग लिया।

मुख्य कार्यक्रम गोल्फ क्लब चंडीगढ़ में आयोजित किया गया, जहां अधिकारी, परिवार के सदस्य और कर्मचारी एक मजेदार दिन के लिए एकत्र हुए। फिटनेस और टीम वर्क को बढ़ावा देने के लिए रस्साकशी, चम्मच दौड़, स्किपिंग, म्यूजिकल चेयर और दौड़ जैसे विभिन्न खेल और गतिविधियाँ आयोजित की गईं।

कार्यक्रम का समापन पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ, जहाँ विभिन्न स्पर्धाओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया।

वार्षिक खेल दिवस एक शानदार सफलता थी, जिसने हडको चंडीगढ़ के अधिकारियों, कर्मचारियों और उनके परिवारों के बीच सौहार्द और सामुदायिक भावना को बढ़ावा दिया।

HUDCO
Sports Day

क्षेत्रीय कार्यालय-चंडीगढ़ द्वारा आयोजित एचएसएमआई के आईटीईसी प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत 25 सदस्यीय अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभागी टीम का चंडीगढ़ का अध्ययन दौरा

हडको क्षेत्रीय कार्यालय – चंडीगढ़ ने भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग कार्यक्रम (आईटीईसी) के तहत ''आवास III नए शहरी एजेंडा के संदर्भ में पर्याप्त आवास का अधिकार" पर हडको के एचएसएमआई प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत 20 से 22 मार्च, 2025 तक चंडीगढ़ में 22 देशों के 25 प्रतिभागियों की अध्ययन यात्रा का आयोजन किया । आईटीईसी भारत सरकार द्वारा संचालित एक द्विपक्षीय सहायता कार्यक्रम है, जो अभिनव तकनीकी सहयोग के माध्यम से विकासशील देशों की जरूरतों को पूरा करने पर ध्यान केंद्रित करता है :

1. मलोया, चंडीगढ़ में पीएमएवाई के तहत शहरी प्रवासियों/गरीबों के लिए किफायती किराया आवास परिसर (एआरएचसी) के अंतर्गत 24.54 वर्ग मीटर के Carpet Area के 2195 "फ्लैटों का कार्यान्वयन चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड द्वारा किया गया है ।
2. पूरे शहर में आपूर्ति के लिए कच्चे पानी के उपचार के लिए नगर निगम चंडीगढ़ की जल निस्पंदन इकाई।
3. 3 बीआरडी में बागवानी अपशिष्ट प्रसंस्करण संयंत्र, जो नगर निगम चंडीगढ़ द्वारा संचालित है, शहर से बागवानी कचरे को हरित ईंधान के रूप में उपयोग किए जाने वाले संपीड़ित ईंटों में संसाधित करने के लिए ।
4. उक्त कचरे को पेवर्स, पीसीसी ब्लॉक और ईंटों में संसाधित करने के लिए नगर निगम चंडीगढ़ द्वारा संचालित औद्योगिक क्षेत्र फेज 1 में निर्माण और विध्वंस अपशिष्ट प्रसंस्करण संयंत्र।
5. चंडीगढ़ स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर यानी आईसीसीसी।

अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभागियों ने हडको क्षेत्रीय कार्यालय में विशेष सत्र में भी भाग लिया, जिसमें चंडीगढ़ शहर के नियोजन पहलुओं पर पुडा के पूर्व सलाहकार श्री जीत कुमार गुप्ता द्वारा प्रमुख प्रस्तुति दी गई। हडको चंडीगढ़ के संचालन का अवलोकन भी प्रस्तुत किया गया। इसके अतिरिक्त, चंडीगढ़ में सांस्कृतिक रुचि के प्रमुख स्थानों की यात्रा भी आयोजित की गई, जिसमें सुखना झील में क्रूज, कैपिटल कॉम्प्लेक्स, ली कोर्बुजिए सेंटर और नेक चंद के रॉक गार्डन शामिल थे।

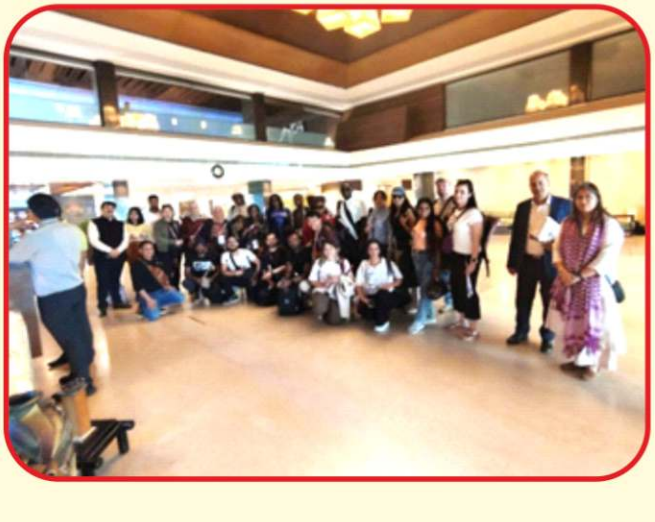

EXIT

2219

15MGD WATER TREATMENT PLANT
2.0
Atal Mission for Rejuvenation
and Urban Transformation

Follow us on

HORTICULTURE WASTE PROCESSING PLANT
MUNICIPAL CORPORATION CHANDIGARH
Horticulture Waste

लेख व काव्य

सानवी
सुपुत्री आशीष गोयल
वरि प्रबंधक – सचिव

पर्यावरण परिवर्तन एक चुनौती – रक्षा व संतुलन

पर्यावरण हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा है । यह न केवल हमें जीवदान देता है व बकि हमारी संस्कृति, अर्थव्यवस्था और समाज का भी आधार है । लेकिन कुछ दशकों में पर्यावरण में हो रहे परिवर्तन ने मानवता के सामने अनेक चुनौतियां खड़ी कर दी हैं । यह परिवर्तन जलवायु परिवर्तन, वनों की कटाई, जल प्रदूषण और जैव विविधता के स्वास के रूप में देखा जा सकता है ।

जलवायु परिवर्तन

जलवायु परिवर्तन मानव गतिविधियों का एक परिणाम है, खासकर औधोगिक करण और उपभोक्ता का, तापमान में वृद्धि, अनियमित वर्षा, और अधिक दवाब आने वाले प्राकृतिक आपदाएं इसके प्रमुख कारण हैं । ग्लेशियलर का पिघलना और समुद्र स्तर का बढ़ना हमारे लिए एक गंभीर चेतावनी है । यह कृषि, स्वास्थय और जल संसाधानों पर नकारात्मक प्रभाव डाल रहा है ।

वनों की कटाई

वृक्षों का अत्याधिक कटान प्राकृतिक संतुलन को बिगाड़ रहा है । वन्य जीवों के आवास का नष्ट होना जैव विविधाता के लिए खतरा है । वनों की कटाई से कार्बन डाइआक्साईड का स्तर बढ़ता है, जो जलवायु परिवर्तन को और अधिक बढ़ावा देता है । इसके परिणाम स्वरूप मिटट्री का कटाव और पानी की कमी जैसी समस्याएं भी उत्पन्न होती हैं ।

जल और वायु प्रदूषण

जल और वायु प्रदूषण के मामले में हम अत्यधिक लापरवाह हो गए हैं वायु प्रदूषण के कारण सांस संबंधाी बीमारीयां बढ़ रही हैं । यह न केवल स्वास्थय के लिए बल्कि पर्यावरण के लिए भी एक बड़ा खतरा है ।

जैव विविधता का हास

जैव विविधता का हास एक गंभीर समस्या है कई प्रजातियां विलुप्त होने के कगार पर हैं । यह प्राकृतिक संतुलन को प्रभावित करता है और परिस्थितिकी तंत्र की कार्यक्षमता को कमजोर करता है । प्रजातियों की विलुप्ती से खाद्य श्रंखला में असंतुलन उत्पन्न होता है जिससे अन्य जीवों पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है ।

समाधाान और प्रयास

इन चुनौतियां का सामना करने के लिए जागरूकता और सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है । हमें sustainable विकास की दिशा में कदम बढ़ाने की आवश्यकता है । नवीनीकरण ऊर्जा स्त्रोतों का उपयोग, वृक्षारोपण और प्रदूषण नियंत्रण के उपाय महत्वपूर्ण हैं । सरकारी नितियों को साथ–साथ व्यक्तिगत स्तर पर भी बदलाव लाने की आवश्यकता है ।

निष्कर्ष

पर्यावरण परिवर्तन एक गंभीर चुनौती है, लेकिन यह असंभव नहीं है यदि हम मिलकर इस दिशा में प्रयास करें, तो हम ने केवल अपने पर्यावरण को बचा सकते हैं, बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित और स्वस्थ दुनिया का निर्माण कर सकते हैं । हमे याद रखना चाहिए कि प्रकृति का संरक्षण हमारे अस्तित्व के लिए आवश्यक है । यह हमारे हाथ मे है कि हम अपने पर्यावरण की रक्षा करें और इसे संतुलित बनाए रखें ।

केसर सिंह
एसटीए

पर्यावरण संरक्षण

प्रकृति की सुंदरता को बनाए रखना,
हमारा कर्तव्य है, यह हमें समझना।
पेड़-पौधों की रक्षा करना,
नदियों और झीलों को साफ रखना।

वायु प्रदूषण को रोकना,
जल प्रदूषण को रोकना,
ध्वनि प्रदूषण को रोकना,
यह सब हमें करना है।

हरित क्रांति की ओर बढ़ना,
वृक्षारोपण करना,
प्रकृति की सुंदरता को बनाए रखना,
यह हमारा लक्ष्य होना चाहिए।

पृथ्वी हमारी माता है,
उसकी रक्षा करना हमारा धर्म है।
प्रकृति की सुंदरता को बनाए रखना,
हमारा कर्तव्य है, यह हमें समझना।

आओ हम सब मिलकर काम करें,
प्रकृति की रक्षा के लिए प्रण करें।
स्वच्छ और हरित भविष्य के लिए,
हम सबको मिलकर प्रयास करना होगा।

प्रकृति की सुंदरता को बनाए रखने के लिए,
हमें अपने दैनिक जीवन में बदलाव लाना होगा।
ऊर्जा की बचत करनी होगी,
जल की बचत करनी होगी।

पेड़-पौधों की रक्षा करनी होगी,
नदियों और झीलों को साफ रखना होगा।
प्रकृति की सुंदरता को बनाए रखने के लिए,
हमें अपने कर्तव्यों को समझना होगा।

प्रभकिरत सिंह
सुपुत्र हरविन्दर पाल सिंह
प्रबंधक आईटी

एक देश एक चुनाव

लोक सभा और विधाान सभाओं के चुनाव एक साथ कराये जाने के मसले पर लम्बे समय से बहस चल रही है । श्री नरेन्द्र मोदी, प्रधाानमंत्री द्वारा भी इसका समर्थन किया है । इस मसले पर चुनाव आयोग, नीति आयोग, विधिा आयोग विचार कर चुके हैं । हाल ही में विधि आयोग द्वारा देश में एक साथ चुनाव कराये जाने के मुद्दे पर विभिन्न राजनीतिक दलों की, क्षेत्रीय पार्टीयों और प्रशासनिक अधिकारियों की राय जानने के लिये कांफ्रेस का आयोजन किया गया । इसमें कुछ राजनितिक दलों द्वारा सहमति जताई गई तथा कुछ राजनितिक दलों द्वारा इसका विरोध भी किया गया । जाहिर है जब तक इस विचार पर आम राय नहीं बनती तब तक इसे धरातल पर नही उतार सकते । भारत को दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश कहा जाता है लोक सभा और विधाान सभाओं के लिए आम चुनाव पांच साल के अंतराल पर होते हैं परन्तु यह देखा गया है कि भारत में पूरे साल ही चुनाव चलने की प्रक्रिया है । जिससे सरकारी खजाने पर बोझ पड़ता है अब भारत सरकार द्वारा पूरे देश में 5 साल के अंतराल में सिर्फ एक चुनाव कराना चाहती है । एक साथ चुनाव कराने का विचार भारत में नया नहीं है स्वतंत्रता के बाद पहले बीस वर्षो तक संसद और राज्य विधाान सभाओं के चुनाव एक साथ ही होते रहे हैं ।

एक देश एक चुनाव से देश का बहुत सारा पैसा बचेगा । पर बार – बार अलग – अलग चुनाव कराने पर करोड़ों रूपये खर्च होता है और सरकारी विभागों के कर्मचारियों की समय – समय पर डयूटियां लगाई जाती है और कम से कम महीना पहले प्रशिक्षण शिविर लगाये जाते हैं जिससे कार्य भी लंबित होता है व्यवस्थाओं वेतन और सुरक्षा पर भी काफी खर्च होता है पिछले कुछ सालों में चुनावों पर खर्च की बढ़ती मात्र को दर्शाता है । चुनाव की घोषणा होते ही आचार संहिता लग जाती है जिससे कार्य ठप हो जाते हैं जो जन कल्याण के लिए नई परियोजनाएं शुरू नहीं की जा सकती । ऐसे में एक बार चुनाव होने से केन्द्र और राज्य सरकारों की नितियों, परियोजनाओं और कार्यक्रमों में निरंतरता बनी रहेगी ।

एक देश एक चुनाव के पक्ष में दिये जाने वाले में कहा गया है कि इससे काले धान और भ्रष्टाचार पर रेक लगाने में मदद् मिलेगी । यह बात किसी से छुपी नहीं है कि चुनावों के दौरान राजनितिक दलों और प्रत्याशियों द्वारा खुलकर कालेधान का इस्तेमाल किया जाता है क्योंकि पीचनितिक दलों के प्रत्याशियों द्वारा चुनाव में किये जाने वाले खर्च की सीमा निर्धाारित की गई है किन्तु राजनितिक दलों दवारा किये जाने वाले खर्च की कोई सीमा निर्धाारित नहीं की गई है कुछ विशलेषक मानते हैं कि लगातार चुनाव होते रहने से राजनेताओं और पार्टीयों को सामाजिक समरसता भंग करने का मौका मिल जाता है जिसकी वजह से अनावश्यक तनाव की परिस्थितियां बन जाती हैं । एक साथ चुनाव कराये जाने से इस प्रकार की समस्याओं से निजात पाई जा सकती है ।

प्रधाानमंत्री मोदी द्वारा लाल किला से अपने संबोधान में कहा था कि और वादा भी किया था और उसे पूरा करने की तैयारी भी कर ली है देश में सभी चुनाव एस साथ कराये जाने का रास्ता धीरे – धीरे साफ हो रहा है । मोदी कैबिनेट द्वारा हाल ही में वन नेशन वन इलेक्शन पर कोविंग कमेटी की रिपोर्ट को मंजूरी दे दी है । वन नेशन वन इलेक्शन पर विचार करने के लिये मोदी सरकार ने पिछले साल पूर्व राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद की अधयक्षता में एक कमेटी का गठन किया था , कमेटी ने इस वर्ष मार्च – 2024 में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को अपनी रिपोर्ट सौंपी थी । सभी राज्य विधाान सभाओं का कार्यकाल अगले लोकसभा चुनाव यानि 2029 तक बढ़ा दिया जाये । बहुमत नहीं मिलता है और अविश्वास प्रस्ताव पास हो जाता है तो बिकि 5 साल के कार्यकाल के लिए नये सिरे से चुनाव कराये जा सकते हैं । पहले फेज में लोक सभा और विधाान सभा चुनाव कराए जा सकते हैं । एक साथ चुनाव कराने के लिए उपकरणओं, जनशक्ति ओर सुरक्षा बलों की एडवांस प्लानिंग की सिफारिश की है ।

यदि चुनाव 5 साल में एक बार होने वाले हैं तो सतारूढ़ दल अपना समय विकास कार्यो में लगा सकते हैं जो उन्हें मतदाताओं द्वारा दिये गये हैं और जो उनके चुनाव के दौरान उन्होंने आकर्षक योजनाओं का घोषणा पत्र लागू किया था । एक साथ चुनाव कराये जाने से जाति और धर्म आधारित कार्यक्रम बनाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी । मोदी सरकार के 100 दिन पूरे होने पर उनका स्टैंड आ गया है कि अब वन नेशन वन इलेक्शन को लेकर सरकार की कोशिशें अपनी जगह हैं और विपक्ष के सवाल अपनी जगह हैं, इसमें कोई शक नहीं कि एक देश एक चुनाव को लागू करने में चुनौतियां हैं, लेकिन ऐसी कोई चुनौती नही जिसे देश के फायदे के लिए मात नहीं दी जा सके ।

निर्मल सिंह,
उप प्रबंधाक (सचि. – रा.भा.) – सेवनिर्वित

पर्यावरण परिवर्तन एक चुनौती-प्रदूषण व जनसंख्या

वर्तमान समय में हमारा समाज कई तरह की समस्याओं का सामना कर रहा है । उन समस्याओं में पर्यावरण से संबंधित समस्या सबसे गंभीर समस्या है । आज हम सभी मनुष्यों ने अपने वातावरण को बहुत अधिक नुकसान पहुंचाया है जिसका खामियाजा हम आज अनेक प्रकार की गंभीर बीमारियों के रूप में कर रहे हैं । आज हमारा वातावरण पूरी तरह से दूषित हो गया है । ऐसा लगता है कि एक दिन ऐसा होगा जब हम शुद्ध हवा, पानी और भोजन सभी के लिए तरस रहे होंगे और तब हमारे सामने कोई मार्ग नहीं होगा । यदि हम मनुष्य प्रकृति के बनाए नियमों को अच्छी तरह से समझकर प्राकृतिक संसाधानों का उपयोग तथा उपयोग करेंगे तभी यह पर्यावरण संतुलन में बना रहेगा ओर हम मनुष्य जाति स्वस्थ एवं सुरक्षित रह सकेंगे । भारतीय संस्कृति में हम जल, वायु, भूमि आदि देवी या देवता के रूप में प्रतिष्ठित करते आये हैं । परन्तु आज हम मनुष्यों ने अपने पर्यावरण को इतना अधिक दूषित कर दिया रहै कि यहां जीवन जीना दूभर होता जा रहा है । हमने संसांधानों का सर्वाधिक दुरूपयोग किया है, आज हमने विकास के दौर में कदम से कदम मिलाने के लिऐ अपनी हरी भरी और सुन्दर पर्यावरण को नष्ट कर दिया है । आज हमारे चारों तरफ बहुमंजिल इमारतें खड़ी हैं । हमने अपने विकास के लिए अनेकों जंगलों को नष्ट कर दिया है ।

पर्यावरण से जुड़ी कुछ प्रमुख समस्याओं जिनका सामना हमारा पर्यावरण आज तक कर रहा है: –

* ग्लोबल वार्मिंग: प्राकृतिक असंतुलन का सबके प्रमुख लक्षण ग्लोबल वार्मिग है । जब ग्रीन हाउस गैसें जमा होता हैं और तापमान में वृद्धि होती है तो हम ग्रीनहाउस प्रभाव को देखते हैं । इसका विश्व महासागर के स्तर में वृद्धि और आटलेंटिक की बर्फ के पिघलने का प्रभाव पड़ता है ।

* **बढ़ता जनसंख्या:** चरागाहों और कृषि क्षेत्रों के लिए जगह बनाने के लिए लोगों ने पेड़ों को काटना शुरू कर दिया । जबकि लोगों की आबादी बढ़ने के साथ ही उन्हें अपने भोजन और आवास की सभी जरूरतों को पूरा करने के लिए ज्यादा जगह और संसाधानों की जरूरत होती है ।

* **वायु प्रदुषण:** वायु प्रदूषण आज की दुनिया में एक प्रमुख मुददा है कारखानों की चिमनियों और आटोमोबाइल से निकलने वाला धुआं उस हवा को प्रदूषित करता है जिससे हमें सांस लेते हैं कार्बन आक्साईड, कार्बन मोनोआक्साईड और सल्फर आक्साईड जैसी गैसें उत्सजित होती हैं जो हवा में मिलकर मानव शरीर, वनस्पतियों और जीवों को बहुत नुकसान पहुंचाती हैं ।

* **ध्वनि प्रदूषण:** यह समस्या प्रदूषण का एक बहुत ही सूक्षम रूप है । सभी मानवीय गतिविधियां ध्वनि प्रदूषण में काफी हद तक योगदान देती हैं । वाहनों के हार्न, लाउड स्पीकर, म्यूजिक सिस्टम इस समस्या में योगदान करती हैं ।

*पर्यावरण को बचाने के लिए 3 आर के सिद्धान्त का उपयोग करें । पुन: उपयोग, कम उपयोग और पुनचक्ररण । उत्पादों का बार – बार पुन: उपयोग करें । एक बार उपयोग करने के बाद चीजों को फैंकने के बजाय, उन्हें दोबारा उपयोग करने का तरीका खोजें । उत्पन्न होने वाले अपशिष्ट उत्पादों की मात्र को कम करें ।

रमन कुमार
वरि. प्रबंधक (सचि.)

हिन्दी पारंपरिक ज्ञान से कृत्रिम बुद्धिमता तक

हिन्दी भाषा एक ऐसी भाषा रही है जो अपने आप में विभिन्न प्रातों की भाषाएं व आधुनिक, गतिविधियों को समाती हुए चलती रही है , जीवंत रही है, नवीन रही है । इसे आज भी विश्व के कई देशों में प्रयोग में लाया जाता है ओर भारत देश में ये बाकि भाषाओं की तुलना में सबसे ज्यादा बोली पढ़ी या लिखी जाती है । हिन्दी के कई प्रांतिक वोलियों के रूप में भी प्रयोग किया जाता है जिसके फलस्वरूप हिन्दी वाणिज्य तकनीकी साहित्य समाचार रोजमर्रा कि गतिविधियों व अन्य कई क्षेत्रें में प्रयोग की जाती है । हिन्दी ने सभी सामाजिक बाधाएं भी तोड़ दी है क्योंकि यह भाषा भारत व भारत से बाहर कई अन्य देशों में भी समझी व बोली जाती है इस भाषा की नवीनता प्रभाव व बढ़ी अवधि के महत्व को दृष्टि में रखते हुऐ यह समझना गल्त नही होगा कि हिन्दी कृत्रिम बुद्धिमता की दुनिया में आराम से बैठता है ।

हिन्दी भाषा का वाक्य विन्यास इतना वैज्ञानिक है कि इसे मशीनों की भाषा में ढालना आसान है । कृत्रिम बुद्धिमता अपने आप को विकसित करने के लिए इनपुट खोजती है और वह सूचना इसे प्रयोग करने वालों से मिलती है । हिन्दी भाषा प्रयोगकर्ता इत्नी संख्या में है कि कृत्रिम बुद्धिमता को हिन्दी भाषी व्यक्तियों से ढेरों इनपुट मिलते हैं और व विकसित होती चली जाती है क्योंकि इंटरनेट को प्रयोग करने वालों की गिनती हिन्दी भाषा की गणना बड़े पैमाने पर है इसलिए यह समझना गल्त न होगा कि कृत्रिम बुद्धिमता को विकसित करने और उसे रास्ता दिखाने मे हिन्दी भाषा व हिन्दी भाषी का बहुत बड़ा योगदान है और रहेगा । इसी कारण जो हिन्दी से मीमित ज्ञान जो अभी तक भारत में सीमित थे अब सभी जगह फैलेंगे और कृत्रिम बुद्धिमता को भी ज्ञान देंगे, रास्ता देंगे । हिन्दी व कृत्रिम बुद्धिमता का यह मिलन पारंपरिक ज्ञान की सीमाओं को तोड़ कर प्रचारित करने में सफल रहेगा । यह ज्ञान सभी हिन्दी भाषी जोकि कई सामाजिक प्रांतो व स्तरों से है, अब आने वाली तकनीकी दुनिया में यह सभी को जोड़ने में सफल रहने का क्षमता रखता है ।

इस तथ्य को समझना होगा व उसे सही दिशा में प्रयोग कर भारत अपनी सांस्कृति समझ को न केवल विश्व स्तर पर ला सकता है बल्कि भारत में इसे अपने दूरस्थ प्रांतों में भी शिक्षा व ज्ञान से रोशन कर सकता है । हिन्दी भाषा की डिजिटल दुनिया में व्यापकता को देख कर, देश में नीति अनुसार कृत्रिम बुद्धिमता के सही उपयोग कर देश को निरंतर सही दिशा में बढ़ते जाना है जिससे आगे की पीढ़ियों का हिन्दी भाषा का प्रभाव व क्रांतिकारी बदलाव लाने की क्षमता का फल मिलता रहे ।

शोभा कुमार
संयु. म.प्र. (परि.)

पर्यावरण परिवर्तन एक चुनौती–पर्यावरण संतुलन

वर्तमान में हमारा समाज कई तरह की समस्याओं का सामना कर रहा है । उन समस्याओं में पर्यावरण से संबंधि समस्या सर्वाधिाक गंभीर समस्या है । आज हम सभी मनुष्यों ने अपने वातावरण को बहुत अधिक नुकसान पहुंचाया है जिसका खमियाजा हम आज अनेक प्रकार की गंभीर बीमारियों के रूप में कर रहे हैं । आज हमारा वातावरण पूरी तरह से दूषित हो गया है । पर्यावरण से छेड़छाड़ का ही नतीजा है कि आज हम आक्सीजन के लिए अस्पतालों के चक्कर काट रहे हैं ।

पर्यावरण मनुष्य जीवन का मूल आधाार है जिसका मनुष्य जीवन से सीधाा व गहरा संबंधा है । मनुष्य प्रकृति की गोद में पैदा होता है, खेलता है, व्यस्क होता है तथा अंततः मृत्यु को गोद में सो जाता है । पर्यावरण से तात्पर्य वनस्पति (पेड़, पौधो), जल, हवा, भोजन आदि से है । पर्यावरण ही मनुष्य जीवन को स्वच्छ, सुन्दर एवं सुखद बनाते हैं । पर्यावरण ही मनुष्य को सांस लेने के लिए हवा, पीने के लिए पानी, खाने के लिए खाद पदार्थ (जैसे कि फल, सब्जी, अन्न आदि) तथा निवास के लिए भूमि प्रदान करता है । पर्यावरण को समस्त भुमंडलीय विरासत एवं सभी संसाधानों की सम्रगता के रूप में देखा जाता है । इस धरातल पर सभी प्रकार के जीवित तत्व जैसे मनुष्य पशु पक्षी वलस्पति पेड़ पौधो जलीय जीव मछली आदि जैविक तत्व पर्यावरण के तत्वों के बीच संतुलन का होना अति आवश्यक है । इन तत्वों में असंतुलन का होना ही पर्यावरण प्रदूषण का कारण बनता है । यदि हम मनुष्य प्रकृति के बनाए नियमों का अच्छी तरह से समझकर प्राकृतिक संसाधानों का उपयोग तथा उपभोग करेंगे तभी यह प्रर्यावरण संतुलन बना रहेगा ।

आज हम मनुष्यों ने अपने पर्यावरण को इतना अधिक दूषित कर दिया है कि यहां जीवन जीना दूभर होता जा रहा है । हमने संसाधानों का अत्याधिक दूरूपयोंग किया है । आज हमने विकास व टैक्नीलोजी के नाम पर हरी–भरी व सुन्दर पर्यावरण को नष्ट कर दिया है । चारों तरफ बुमंजिली इमारतों का कानकरीट जंगल खडा कर दिया है और तूसरी तरफ प्रकृति द्वारा दिया गया जंगल नष्ट किए जा रहे हैं । विश्व बैंक की एक रिपोर्ट के अनुसार विश्व की 40 प्रतिशत आबादी ऐसे स्थानों पर आवास करती है जहां न तो पीने योग्य पानी की व्यवस्था है और न ही आपूर्ति का कोई साधान । इसके अतिरिद्र 80 देशों में पानी की व्यवस्था दयनीय है ।

पर्यावरण परिवर्तन अब देखने में आ रहा है जिससे सभी देशों व पूरी मनुष्य जाति को सोचने पर मजबूर कर दिया है । पर्यावरण परिवर्तन अब मुख्यता की पिघली बर्फ के रूप में दिख रहा है अन्टाकिटिक के पानी के अन्दर ही बर्फ पिघलने की दर प्रत्येक 20 वर्ष में दूगनी हो रही है । वैज्ञानिकों द्वारा बताया गया है कि समुद्री तल का तापमान बढने के चलते वर्ष 2010 से 2016 तक के बीच दक्षिणी धरुव के निकट बर्फ की सतह प्रभावित होने से इस क्षेत्र में करीब 1463 वर्ग कि0मी0 बर्फ का आधार सिकुड़ या पिघल गया है इस तरफ बर्फ पिघलने से समुद्र स्तर में बड़ा बदलाव होने की आशंका है । इस तरह कई क्षेत्र या द्वीप जलमग्न होने का डर बना हुआ है ।

पर्यावरण परिवर्तन में अन्य परिवर्तन ग्लोबल वार्मिग के प्रभाव से हो रहा है मौसम का यह बदलाव जैसे कि जहां पर बर्फ कम होती थी वहां कई गुणा बर्फ गिरने लगी है । जहां बर्फ ज्यादा थी वहां पर तापमान बढ़ र्हा है । मौसम परिवर्तन से मनुष्य पेड – पौधों, जीव जन्तु सभी पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। ग्लोबन वार्मिग के कारण सूर्य की अल्टरा – बाईलेट किरणें सीधी पृथ्वी पर पडती हैं जिसके दूष प्रभाव में कैंसर आदि बीमारियों का प्रसार हो रहा है । ग्लोबल वार्मिग कि बजह सिर्फ इन्सान है जिसने हर जगह वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण फैला रखा है । पेड़ों को अंधा – धुंध काटा जा रहा है सड़कों के निर्माण में पेड़ों की कटाई पर कोई धयान नहीं दिया जाता । पहाड़ों की तरफ धयान दें तो भूस्खलन की दुर्घटनाएं बहुत बढ़ गई हैं । कई तो बाढ़ आ रही है और कई सूखा पड़ रहा है । यह पर्यावरण परिवर्तन की चुनौतियां हर विश्व के क्षेत्र में आ रही हैं । पृथ्वी के गर्म होने को दो डिग्री से कम रखने के लिए जहरीली गैसों का उत्सर्जन को बहुत जल्दी काफी कम करना होगा । यदि हम पृथ्वी पर पेड़ उगाने की रफतार को बहुत बढ़ा भी दें तो भी पेड़ उगने में 2 साल लग जायेंगे और तब तक पर्यावरण परिवर्तन को रोकना असंभव है ।

यदि कुछ नहीं किया गया तो सदी के अन्त तक पृथ्वी का तापनान करीब चार डिग्री सैल्सियस बढ़ जायेगा । जिससे उत्पादन की वृद्धि की जगह पर फसलों के उत्पादन मे कमी आयेगी । जिसके परिणाम स्वरूप मंहगाई व भूखमरी बढ़ जायेगी । जलवायु गर्म हो जाए तो स्वास्थय की समस्यायें बढेंगी । वृद्ध, ह्दय रोग व श्वास रोग वाले मनुष्यों पर इसका बहुत ज्यादा असर होगा । तापमान बढ़ने से भूमिगत जलतंत्र परिवर्तन के रूप में होगा । जलवायु प्रदूषण के कारण वायु प्रदूषण का स्तर बढेगा जिससे वायु मण्डलीय रासायनिक प्रतिक्रिया तेज हो जाएगी ।

ऐसी स्थिति में यदि हम सचेत नहीं हुए तो प्रकृति हमें दूसरा अवसर नहीं देने वाली । तापमान का प्रभाव विकसित एवं विकासशील देशों पर समान रूप से पड़ता है पर सर्वाधिक कहर विकासशील देशों को सहना पड़ता है ।

हरविन्दर पाल सिंह
प्रबंधक (आईटी)

चंडीगढ़ क्षेत्रीय कार्यालय के सेवानिवृत हुए /होने वाले अधिकारी

श्री निर्मल सिंह, उप प्रबंधक (सचिव - रा भा) वित्तीय वर्ष 2024 - 25 मे माह जनवरी 2025 को हडको क्षेत्रीय कार्यालय, चण्डीगढ़ से सेवानिवृत हुए ।

श्री केसर सिंह, एस टी ए वित्तीय वर्ष 2025 - 26 में माह अप्रैल, 2025 को हडको क्षेत्रीय कार्यालय, चण्डीगढ़ से सेवानिवृत हो रहे हैं ।

hudco हडको
A NAVRATNA CPSE

लक्ष्य

क्षेत्रीय कार्यालय, चण्डीगढ़ एतिहासिक पृष्ठ भूमि में क्षेत्रीय प्रमुख का कार्यकाल

क्रम	नाम	अवधि कब से कब तक	
1	आर. एल. बावा	1983	28.02.1985
2	एम. बी. माथुर	मार्च, 1985	मई, 1985
3	विकास कार्यालय	अगस्त, 1985	अगस्त, 1987
4	वी. के. सोनी	02.09.1987	23.05.1989
5	वी. के. ग्रोवर	27.05.1989	07.04.1992
6	पी. एस. खुराना	08.04.1992	26.06.2002
7	आर. एल. बत्ता	24.06.2002	24.11.2002
8	ए. के. भटनागर	25.11.2002	18.05.2004
9	पी. एस. खुराना	19.05.2004	21.09.2004
10	ए. के. जोशी	21.09.2004	05.05.2005
11	मलय चटर्जी (कार्य. नि.)	13.05.2005	31.08.2009
12	पी. के. अग्रवाल	31.08.2009	03.06.2011
13	डा0 डी.सुब्रहमनियम (कार्य. नि.)	01.06.2011	16.05.2012
14	वी. के. जोशी	17.05.2012	07.04.2014
15	हरजीत कुमार	04.04.2014	28.04.2017
16	जसबीर सिंह	28.04.2017	29.12.2017
17	हरेन्द्र वर्मा	08.01.2018	06.12.2019
18	आकाश त्यागी	06.12.2019	19.04.2021
19	एस के सोलंकी	19.04.2021	08.12.2023
20	संजय भार्गव	11.12.2023	04.04.2025
21	नीरज सेठी	11.04.2025	-

आशीष गोयल
वरि प्रबंधक (सचि)

मसरूररॉक कट मंदिर, काँगड़ा, हिमाचल प्रदेश

मसरूररॉक कट मंदिर, जिसे मसरूर मंदिर के नाम से भी जाना जाता है, भारत के हिमाचल प्रदेश की कांगड़ा घाटी में स्थित 8वीं शताब्दी का एक उल्लेखनीय वास्तुशिल्प चमत्कार है। एक ही अखंड चट्टान से उकेरे गए इस परिसर में शिव, विष्णु, देवी और सूर्य सहित विभिन्न हिंदू देवताओं को समर्पित 15 मंदिर हैं।

ऐतिहासिक महत्वः माना जाता है कि 8वीं शताब्दी के दौरान निर्मित, मसरूर मंदिर इस क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रमाण हैं। उनकी स्थापत्य शैली उत्तर भारतीय नागर शैली से प्रभावित है, जिसमें जटिल नक्काशी और विस्तृत प्रतिमाएँ हैं। एलोरा के प्रसिद्ध रॉक-कट मंदिरों से समानता के कारण मंदिरों को अक्सर ''हिमाचल का एलोरा" कहा जाता है।

वास्तुकला संबंधी विशेषताएँ:

अखंड निर्माणः संपूर्ण परिसर एक ही बलुआ पत्थर की चट्टान से बना है, जो प्राचीन शिल्पकारों की इंजीनियरिंग कौशल को दर्शाता है।

हडको
hudco
A NAVRATNA CPSE

हाउसिंग एण्ड अर्बन डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम)
चंडीगढ़ क्षेत्रीय कार्यालय
प्लॉट न० 2 , संचार सदन, प्रथम तल, सेक्टर 34 ए, चंडीगढ़
दूरभाषः 0172- 2648955
ई मेलः chro@hudco.org

हडको जीवन गुणवत्ता में सुधार के लिए सबके लिए सततपर्यावास को बढ़ावा देता है।

सबके लिए आवास । कार्मिक प्रशिक्षण । परामर्श सेवाएं
सी एस आर के लिए प्रतिबद्ध । अर्बन इंफास्ट्रक्चर

वर्ष 1970 से भारत में आवास और शहरी अव-सरंचना परियोजनाओं को ऋण उपलब्ध करते हुए हडको भारत की प्रमुख तकनीकी वित्त पौषक कंपनी है जो अनवरत विकास के साथ ईडब्लूएस/एलआइजी श्रेणी के आवास जरूरतों पर विशेष जोर देती है।

अनुरोध

हडको क्षेत्रीय कार्यालय, चंडीगढ़ द्वारा प्रकाशित गृह पत्रिका **"लक्ष्य"** के सफल प्रकाशन के पश्चात पंचम संस्करण आपके समक्ष प्रस्तुत है। यद्यपि इस प्रकाशन को बहुत सावधानी पूर्वक तैयार करने का प्रयास किया गया है फिर भी कतिपय त्रुटियों से इन्कार नहीं किया जा सकता । पाठकगणों से अनुरोध है कि वे इंगित त्रुटियों एवं अपने अमूल्य सुझावों से अवगत कराने का कष्ट करें ।

सादर

श्री हरविंदर पाल सिंह कैन्थ
प्रबंधक (आई टी) व
हिन्दी नोडल सहायक